सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

हीट वेव (लू–ताप घात)
एक्शन प्लान–2025
जिला–बारां

फोन नम्बर – 07453–237001, 07453–237050
कन्ट्रोल रूम – 07453–237081

ई–मेलः– dm-brn-rj@nic.in, reliefsection.baran@gmail.com
relief.cobaran@RAJASTHAN.GOV.IN

प्रस्तावना

जिला बारां , राजस्थान में गर्मियों के दौरान अत्यधिक तापमान (हीट वेव) के प्रभाव को कम करने एवं आमजन के जीवन की सुरक्षा हेतु एक समन्वित हीट वेव एक्शन प्लान तैयार किया गया है। इस योजना का उद्देश्य अत्यधिक गर्मी के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं, जनहानि एवं अन्य दुष्प्रभावों को रोकना है। इस हेतु जिला प्रशासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर निकाय, शिक्षा विभाग, जलदाय विभाग, विद्युत विभाग, पुलिस, होमगार्ड तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सहित अन्य विभागों की भूमिकाएं सुनिश्चित की गई हैं।

1. उद्देश्य (Objective):

गर्मियों के दौरान अत्यधिक तापमान (हीट वेव) से जनजीवन की रक्षा करना, जन हानि को रोकना एवं प्रभावी तैयारी, प्रतिक्रिया तथा राहत सुनिश्चित करना।

2. कार्यान्वयन एजेंसियाँ (Implementing Agencies):

- जिला प्रशासन
- नगर परिषद / नगर पालिका
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
- सूचना एवं जनसंपर्क विभाग
- शिक्षा विभाग
- जलदाय विभाग
- विद्युत विभाग
- आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
- सामाजिक न्याय विभाग
- पुलिस एवं होमगार्ड

बारां जिला एक संक्षिप्त परिचय

1. भौगोलिक स्थितिः– राजस्थान के दक्षिणी पूर्वी अंचल में स्थित कोटा जिले के दक्षिणी पूर्वी सीमान्त क्षेत्र को 10 अप्रेल 1991 से बारां जिले का स्वरूप प्रदान किया गया है। उपलब्ध ऐतिहासिक जानकारी के अनुसार दक्षिणी पूर्वी राजस्थान में हाड़ौती अंचल के मध्य भाग में मध्य–रेल्वे के कोटा–बीना रेल मार्ग पर बारां नगर की स्थापना चोदहवीं–पंद्रहवीं शताब्दी में सोलंकी राजपूत द्वारा की गई थी। बारां जिला 24.25 डिग्री उत्तरी अक्षांश से 25.25 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 72.12 डिग्री पूर्वी देशान्तर से 77.26 डिग्री मानचित्रीय के मध्य स्थित है। जिले की लम्बाई पश्चिम में कालीसिंध व परवन के संगम (राजगढ़) से पूर्व में कोटा नाका (कस्बाथाना से 6 किमी. उत्तर पूर्व) तक 120 किमी. परन्तु सड़क मार्ग से 151 किमी. है। अधिकतम चौड़ाई उत्तर में भावपुरा (बम्बोरी कला के निकट) से दक्षिण में झाला–बामला (कुम्भराज नाका) तक 110 किमी. परन्तु सड़क मार्ग द्वारा 130 किमी. है। जिला मुख्यालय बारां से अधिकतम सड़क मार्ग दूरी पूर्व में कोटा नाका 111 किमी. पश्चिम में राजगढ़ 40 किमी. उत्तर में ढीबरी 54 किमी., तथा दक्षिण में कुम्भराज नाका 90 किमी. है। जिले का कुल क्षैत्रफल 6992 वर्ग किमी (नगरीय 82.18 वर्ग किमी तथा ग्रामीण 6909.82 वर्ग किमी.) है।

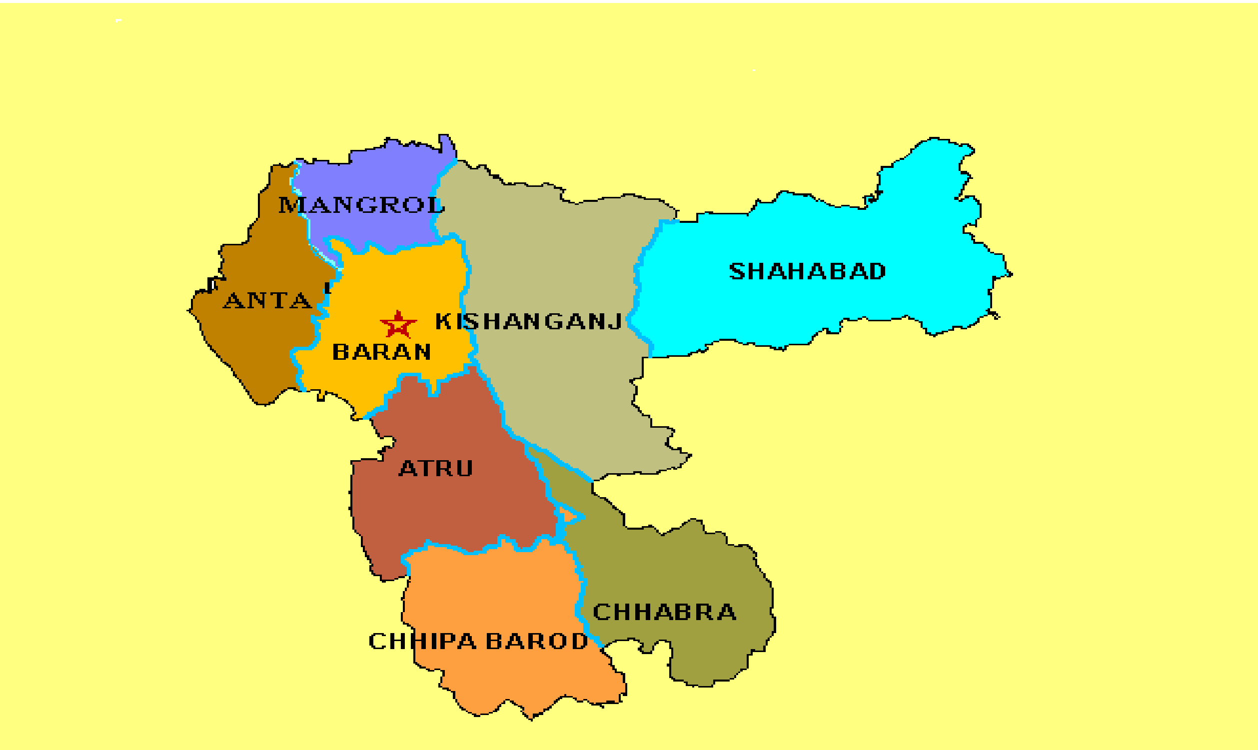

बारां जिला राजस्थान का सूदूर दक्षिणी पूर्वी सीमान्त जिला है। इसकी सीमायें अन्तर्राज्यीय सीमा में मांगरोल तहसील के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र पर स्थित भावगढ़ से छीपाबड़ौद तहसील के दक्षिणी पूर्वी छोर पर स्थित टोल खेड़ा तक बारां जिले की उत्तरी पूर्वी तथा दक्षिणी सीमा मध्यप्रदेश के साथ अन्तर्राज्यीय सीमा बनाती है। अन्तर्जिला सीमा में छीपाबड़ौद तहसील की दक्षिणी पश्चिमी तथा अटरू तहसील की आधी पश्चिमी सीमा बारां जिले को झालावाड़ जिले से पृथक करती है।

स्थल आकृति की दृष्टि से बारां जिला राजस्थान के दक्षिणी पूर्वी पठार का एक भाग है। जिसे हाड़ौती के पठार की संज्ञा दी गयी है। यह मुख्य रूप से कालीसिंध व पार्वती नदी के दोआब है। जिसकी समुद्र तल से औसत ऊंचाई 210 से 275 मीटर है। इस मैदान का क्रमिक ढाल दक्षिण से उत्तर की ओर है।

हाड़ौती का पठार गोंड़वाना लैण्ड पर स्थित एवं सन्तुलित होने से भूकम्प शून्य है। अप्रवाह प्रणाली बारां जिले का क्रमिक ढाल दक्षिण से उत्तर की ओर है। इस जिले का सम्पूर्ण जल प्रवाह बंगाल की खाड़ी की ओर है। जिले की नदियों की प्रणाली वृक्षसम या दुमाकार है।

विभिन्न विभागों को कार्यवाही करने हेतु निर्देशः– जिले में आगामी ग्रीष्मकाल के मध्यनजर हीट वेव से बचाव के लिए जिला स्तर पर हीट वेव एक्शन प्लान तैयार किया गया है। जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्य/सुरक्षात्मक उपाय का विवरण निम्नानुसार तैयार किया गया है।

<u>जिला स्तर पर होने वाली कार्यवाही</u>

।

- जिले में नागरिक सुरक्षा के तहत 36 स्वयंसेवक नियोजित है। स्वयंसेवको को तेज गर्मी/लू के कारण होने वाली आगजनी, व अन्य विपरीत परिस्थितियों में पूर्ण संसाधनों के साथ 24 X 7 राउण्ड द क्लॉक उपलब्धता सुनिश्चित की जानी है।
- हीट वेव के बारे में जनता को सूचित और शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाना है।
- गर्मी से संबंधित बीमारियों के जोखिमों और खतरों पर नियमित रूप से समाचार पत्रों टी. वी. चेनलों के माध्यम से आमजन में जागरूकता लायी जावे।
- गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक समूहों और व्यक्तियों से लू की स्थिति के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर पीने के पानी/छाछ के कियोस्क खुलवाने के प्रयास किये जावे।
- बिजली वितरण/ट्रांसमिशन कंपनियों से अस्पतालों और यूएचसी जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए बिजली आपूर्ति बनाए रखने को प्राथमिकता देने की सुनिश्चित की जावे।
- स्थानीय स्तर पर जब भी आवश्यकता हो, स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों आदि के समय में परिवर्तन के बारे में उचित निर्णय लिया जावे।
- नरेगा श्रमिकों के लिए गर्मी के मौसम या हीट वेव की स्थिति को देखते हुए श्रमिकों का कार्य समय प्रातः 06.00 बजे से दोपहर 01.00 बजे तक निर्धारित किया गया है तथा कार्य स्थल पर छाया व पीने के पानी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जावे।
- समस्त विद्यालयों में ग्रीमष्मकालीन या हीव वेव की स्थिति में परिस्थितियों को देखते हुए विद्यालयों में अवकाश रखने का निर्णय लिया जावे।

<u>(1) सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी</u>

- विभिन्न स्थानों पर हीट वेव अलर्ट के लिए कलर कोड़िग वाले डिस्प्ले डिजिटल बोर्ड लगाये जावे।
- सामान्य जागरूकता के लिए क्या करें एवं क्या न करें का स्थानीय अखबार से माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार कराया जावे।
- समय–समय पर बुलेटिन जारी किया जावे।
- सरकार द्वारा किये जा रहे राहत कार्यो की इलेक्ट्रोनिक एवं प्रिंट मिडिया के माध्यम से जनता को जानकारी दी जावे।

<u>(2) स्वास्थ्य विभाग</u>

- चिकित्सालय एवं स्वास्थ्य केन्द्रो के कार्मिको को लू–लापघात के लक्षण आमजन में पाये जाने पर इसके बचाव व उपचार के बारे में अधिक से अधिक जानकारी साझा करने के निर्देश प्रदान किये जावे।
- स्वास्थ्य केंद्रों और आंगनबाड़ियों में ओआरएस–पैकेट आवश्यक दवाएं, तरल पदार्थ, आइस पैक आदि का पर्याप्त स्टॉक रखा जावे।

- चिकित्सालय, प्राथ./सामु. स्वास्थ्य केन्द्रो पर विद्युत उपकरण यथा पंखे, कूलर वाटर कूलर, ए.सी. अपग्रेड और कार्यरत स्थिति में रखे जावे।
- गर्मी की लहर से संबंधित किसी भी स्थिति से निपटने के लिए विशेष एसी वार्ड चिन्हित किये जाकर तैयार रखे जावे।
- जिला अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रारंभिक चेतावनी की निगरानी रखने के निर्देश दिये जावे।
- ग्राम स्तर तक हीव प्रबंधन एवं उपचार हेतु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दिशा–निर्देश एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जावे।
- गर्मी की लहर के कारण मृत्यु दर और रुग्णता की निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए निर्देशित किया जावे।
- सामुहिक जमावड़े की स्थिति में, आस–पास की स्वास्थ्य सुविधाओं को सतर्क और सक्रिय किये जाने हेतु निर्देशित किया जावे।
- होटलो/दुकानो/ठेलो एवं सामुदायिक रसोई में दूषित व बासी खाद्य सामग्री की परीक्षण कराने व दूषित खाद्य सामग्री को नियमानुसार नष्ट कराने के निर्देश दिये जावे।

(3) पुलिस विभाग/स्काउट्स

- कानून व्यवस्था कायम की जावे।
- भीड को नियंत्रित करना और बचाव एवं राहत कार्यो के लिए प्रशासन का मॉग अनुसार सहयोग प्रदान करना।
- अफवाहो को रोकने के लिए जरूरी उपाय करना सुनिश्चित किया जावे।
- स्काउटस एवं गाइड के स्वयंसेवी उपलब्ध कराना एवं मौसमी बीमारियों व आपदा से बचाव व राहत कार्यो में सहयोग प्रदान करना।

(4) शहरी स्थानीय निकाय/पंचायती राज संस्थाएँ

- ग्रामीण विकास, श्रम और रोजगार विभागों के सहयोग से मनरेगा श्रमिकों, निर्माण श्रमिकों के लिए विशेष आश्रयों की स्थापना करने, उनके काम के घंटों को पुनर्निर्धारित करने के निर्देश दिये जावे।
- लू प्रभावित क्षेत्रों/मोहल्लों में समुचित पेयजल सुविधा की व्यवस्था करने के उचित प्रबंध किये जावे।
- पार्कों, बस स्टैण्डों, पर्यटन स्थलों एवं खुले क्षेत्रों में छाया–पानी की व्यवस्था करने के लिए संबंधित नगरपालिकाओं/ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया जावे।
- सभी क्षेत्रों विशेषकर अनौपचारिक बस्तियों में पानी की निर्बाध आपूर्ति करने के निर्देश दिये जावे।

(5) आयुर्वेद विभाग

- चिकित्सा विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर, सहयोग प्रदान किया जावे।
- जिले के आयुर्वेद चिकित्सालयों पर कन्ट्रोल रूम एवं चिकित्सा दलो का गठन किया जावें।
- सभी चिकित्सा संस्थाओं में आवश्यक दवाईयों, चिकित्सा दलो एवं जीवन–रक्षक औषधियों की पर्याप्त व्यवस्था रखी जावे।

- चिकित्सालय में रोगियों के लिए वार्ड में बैड की व्यवस्था की जावें। वार्ड को ठण्डा रखने के लिए कुलर, पंखे की व्यवस्था की जावे।
- चिकित्सा संस्थानों में आने वाले रोगियों एवं परिजनों के लिए पीने के पानी व छाया की व्यवस्था की जावे।

(6) श्रम विभाग

- स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों के संबंध में निर्माण/उद्योगों/वाणिज्यिक संस्थाओं के साथ प्रशिक्षण प्रदान किये जावे।
- चरम गर्मी के घंटों से बचने के लिए काम के समय पर सलाह जारी की जावे।
- स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर, लगवाने जावे।
- श्रमिकों के लिए सभी कार्य परिसरों में पेयजल की प्राथमिकता से सुविधा उपलब्ध करवायी जावे।

(7) कृषि विभाग एवं पशुपालन विभाग

- कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं और सार्वजनिक खरीद के लिए मंडियों/बाज़ारों में त्वरित आवाजाही सुनिश्चित करके गर्मी के कारण न्यूनतम फसल क्षति सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता उत्पन्न करने हेतु संबंधित विभागों को निर्देश प्रदान किये जावे।
- पशुओं पर गर्मी के प्रभाव को कम करने के तरीको के बारे में आमजन में जागरूकता उत्पन्न करायी जावे।
- पशुओं के लिए पीने के पानी के साथ पशु चिकित्सा, दवाएँ और आश्रय स्थल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जावे।
- पशुपालको व लोगो को पशु टीकाकरण के लिए जागरूक करना और जरूरत पड़ने पर टीका शिविर लगाया जावे।

(8) शिक्षा क्षेत्र

- अत्यधिक गर्मी/दोपहर से बचने के लिए स्कूल का समय मौसम के अनुकुल निर्धारित किया हुआ है। स्कूल जल्दी शुरू हो और दोपहर से पहले बंद हो ऐसी व्यवस्था करवाने के निर्देश प्रदान किये जावे।
- विभिन्न स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में पेयजल स्टेशन कियोस्क/शेड की स्थापना करवाने की सुनिश्चितता की जावे।
- विद्यालय/संस्थान/भवनों के बाहर की शारीरिक गतिविधियां नहीं करवाने हेतु निर्देशित किया जावे।

(9) लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग

- पर्याप्त मात्रा में वाटर टेंकर, ब्लीचिंग पाउडर, नये हैण्डपंप लगाना व मरम्मत करना, क्लोरिनेशन आदि की व्यवस्था की जावे।

- सभी शहरी व ग्राम पंचायतो में जल को शुद्ध करने वाली गोलियां(क्लोरिन) ब्लीचिंग पाउटर व क्लोरिन युक्त पानी की सप्लाई की जावे।
- नियमित एवं अन्य स्त्रोतो से जल की उचित आपूर्ति की जावे।
- आवश्यकता पड़ने पर अग्निशमन वाहनो हेतु अतिरिक्त जल की उपलब्धता की जावे।

(10) नागरिक आपूर्ति विभाग

- जिले में दूषित खाद्य पदार्थ/मिलावटी खाद्य पदार्थ की जॉच कर कर नष्ट करवाना एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- आवश्यकता पडने में उचित आश्रय स्थल पर भोजन, पानी व अन्य व्यवस्था सुनिश्चित की जावे।
- राशन की दुकानों पर आने वाले लाभार्थियों के लिए ठण्डे पानी व छाया की व्यवस्था की जावे।

(11) रेल्वे विभाग

- जिले के रेल्वे स्टेशनों पर यात्रियों एवं आमजन के लिए पीने के लिए ठण्डे पानी, छाया, ठण्डी हवा एवं आवश्यक जीवन रक्षक औषधियों की व्यवस्था सुनिश्चित की जावे।
- आपदा की स्थिति में पीडित लोगो के प्राथमिक चिकित्सा का उचित प्रबंध रखा जावें।
- रेल्वे स्टेशन की खाद्‌य एवं पेय कयोस्क पर मानक अनुसार गुणवत्तापूर्ण सामग्री वितरण की समय–समय पर जॉच सुनिश्चित की जावे।

(12) राज.राज्य परिवहन पथ निगम

- बस स्टेण्ड परिसर क्षेत्र में यात्रियों एवं आमजन के लिए पीने के लिए ठण्डे पानी, छाया, ठण्डी हवा एवं आवश्यक जीवन रक्षक औषधियों की व्यवस्था सुनिश्चित की जावे।
- बस स्टेण्ड पर स्वच्छ रखा जावें तथा वातारण को ठण्डा रखने हेतु पंखें कूलर की उचित व्यवस्था की जावे।
- राजकीय वाहनों बसों की खिडकियों के टूटे ग्लास को सहीं कराये जावें ताकि गर्म हवा से यात्रियों को सामना नहीं करना पडे।
- बस स्टेण्ड परिसार में खाद्‌य एवं पेय कयोस्क पर मानक अनुसार गुणवत्तापूर्ण सामग्री वितरण की समय–समय पर जॉच सुनिश्चित की जावे।

अतः सभी जिला स्तरीय विभागों को निर्देश दिये जाते है कि उक्त निर्देशों के अनुसरण में प्रत्येक विभाग अपने स्तर से बैठक आयोजित कर सभी अधीनस्थ को निर्देश प्रदान करते हुए अक्षरशः पालना सुनिश्चित करें।

कार्यालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारां

लू–तापघात Heatwave आपदा प्रबंधन व मौसमी बिमारीयों का संक्षिप्त विवरण।

जिले में वर्ष 2025 में मौसमी बीमारियों कोविड–19/मलेरिया/डेंगु/स्क्रब टाईफस/स्वाईन फ्लू आदि रोगों की रोकथाम एवं नियत्रंण हेतु विभाग द्वारा निम्नानुसार गतिविधियां सम्पादित करवाई जा रही है।

क्रं	वर्ष	ब्लड स्लाईड कलेक्शन वार्षिक लक्ष्य	ब्लड स्लाईड कलेक्शन सप्ताह सख्या 22 तक का लक्ष्य	ब्लड स्लाईड कलेक्शन अर्जित किया गया	मलेरिया केसेज	डेंगू केसेज	स्क्रब टायफस	चिकनगुनिया	स्वाईन फ्लू	कोविड–19
1	दि. 19.06. 2025 तक	190273	80500	124538	1	13	13	1	0	0

वर्ष–2025

मौसमी बीमारियों के रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु की गई गतिविधियां का संक्षिप्तविवरण जिला बारां

अभियान स्थिति	औसत कुल टीम पूरे जिले की	टीम दवारा सर्वे किये क्षेत्र / वार्ड /मोहल्ला /ग्राम की संख्या	जांचें गये कुल घर	लार्वा पाये कुल घर	जांचे गये कुल कन्टेनर	लार्वा पाये कुल कन्टेनर	उपचारित किये गये कुल कन्टेनर	टेमीफोस डाले स्थान / पात्र की कुल संख्या	एमएलओ डाले स्थान की कुल संख्या	फोकल स्प्रे किये गये स्थान की कुल संख्या	फौगिग किये गये स्थान की कुल संख्या	बुखार सर्वे के रोगीयो की कुल संख्या	ली गयी ब्लड स्लाईड की संख्या	स्कूलो की कुल संख्या जहा स्वास्थ्य शिक्षा दी गयी	माईकिग करवाये गये क्षेत्रो की कुल संख्या
दिनांक 14-06-2025	43	43	1957	0	4110	0	0	16	65	0	0	6	6	0	0
इस सप्ताहकी गई गतिविधिया 02-06-2025 TO 08-06-2025	403	1883	84738	180	174503	212	498	2649	1726	0	0	1007	1007	92	0
इस सप्ताहकी गई गतिविधिया 09-06-2025 TO 15-06-2025	403	1541	69353	212	145642	252	468	2002	1588	0	0	860	860	51	0
Malaria Crash Abhiyan (From 1st April to 14th May) 01-04-2025 TO 14-05-2025	403	9705	422523	802	879267	957	2289	14061	11624	25	10	6656	6656	570	0
Anti Malaria Month (From 1st June to 30 June) 01-06-2025 TO 15-06-2025	403	1926	156029	402	324215	474	999	4666	3328	0	0	1882	1882	143	0
आज दिनांक तक कुल गतिविधि 01-01-2025 to 15-06-2025	403	31349	1301831	2791	2630133	3105	7779	45448	34928	60	61	18953	18953	1340	95

Note : अभी तक की कुल गतिविधियों मे गतिविधियां रीपीट भी हो चुकी है।

मलेरिया/डेंगु/चिकनगुनिया/स्क्रबटाईफस की रोकथाम के उपाय।

- **नवाचार :–** जिले के समस्त चिकित्सा संस्थान (DH/SDH/CHC/PHC/UPHC/SC) पर कार्यरत समस्त अधिकारी/कर्मचारीयों द्वारा दिनांक 25.04.2025 को **विश्व मलेरिया दिवस एवं** दिनांक 16.05.2025 **विश्व डेंगू दिवस** के अवसर पर आमजन को मलेरिया के प्रति जागरूक करते हुए प्रत्येक रविवार को सुखा दिवस मनाये जाने हेतु शपथ दिलवाई गई। संदेश के विडियो बनवाकर अधिक से अधिक Whatsapp, Facebook, Twitter पर शेयर किये गये।
- जिले के समस्त चिकित्सा संस्थान (DH/SDH/CHC/PHC/UPHC/SC) पर आईइसी कार्नर स्थापित कर व उपलब्ध एलईडी टीवी के माध्यम से मौसमी बीमारियों के प्रति आमजन को जागरूक किया जा रहा है।
- जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों पर मलेरिया/डेंगू/स्कब टाईफस की रोकथाम हेतु दवाईयां की उपलब्धता सुनिश्चित की गई **है।**
- दिनांक 15 मई 2025 से 30 जून 2025 तक एन्टी मलेरिया मंथ मनाया जाकर आवश्यक एन्टीलार्वल गतिविधियॉ करवाई गई।
- एन्टीलार्वल गतिविधियां सम्पादित करवाने हेतु जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों पर एम.एल.ओ , पायरेथ्रम, टेमीफॉस एवं **मलेरिया/डेंगु/चिकनगुनिया/स्क्रबटाईफस रोग की** प्रयोगशाला में जांच की सुविधा उपलब्ध है।
- जिले में मलेरिया रोगी की रोकथाम हेतु एक्टिव ब्लड स्लाईड कलेक्शन पर विशेष मॉनिटरिंग की जा रही है। मलेरिया पॉजिटिव केसों का फॉलाअप करवाना तथा कॉन्टेक्ट , मास ब्लड स्लाईड बनवाया जाना सुनिश्चित करवाया जा रहा है।
- जिले के सभी 14 सामु0 स्वा0 केन्द्रों पर फॉगिंग मशीन का वितरण तथा ब्लॉक किशनगंज, छबडा, छीपाबडोद, अटरू, बारां, अन्ता पर फॉगिंग मशीन व 45 हैचरीज मे गम्बूशिया उपलब्ध करवा कर प्रशिक्षण दिया गया। जिले के 20 सामु./प्राथ. स्वा. केन्द्रो पर गम्बुशिया मछली पालन हेतु छोटी हैचरीज निर्माण करवाया गया है।
- मौसमी बीमारियों/मलेरियां/डेंगु आदि जिला स्तर पर /ब्लॉक स्तर /सामु. /प्राथ. स्वा. केन्द्र स्तर पर मेडिकल मोबाईल टीमों का गठन किया गया है । मेडिकल टीम के सदस्यो के मोबाईल फोन नम्बर टीमों अनुसार संग्रह किया गया है। तथा जिला स्तर पर कन्ट्रोल रूम संचालन किया जा रहा है।
- जिले के ब्लॉक चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकित्सा अधिकारियों को स्थानीय प्रशासन से समन्वय स्थापित कर क्षेत्र की साफ–सफाई करवाने के दिशा निर्देश दिये गये है।
- सयुंक्त निदेशक, पशु पालन विभाग बारां से स्क्रब टायफस केसो की रोकथाम हेतु मिटिंग की गई है। जिले के समस्त चिकित्सा अधिकारीयो को जिले के समस्त पशुपालन विभाग के चिकित्सको एवं पशुधन सहायको की सूची मय मोबाईल नम्बर के उपलब्ध करवाई गई है। समस्त चिकित्सा अधिकारीयो को अपने–अपने क्षेत्रो मे स्थानिय प्रशासन से सम्पर्क कर आवासिय बस्तियो के आस–पास झाड, घास, व खरपतवार आदि की साफ सफाई करवाई जावे।

जल जनित रोग की रोकथाम हेतु उपाय।

- जिले में जल जनित रोग (पीलिया/टाईफाईड) आदि की रोकथाम हेतु जिले के विभिन्न क्षेत्रो से प्रति सप्ताह पानी के सेम्पल ले कर जांच करवाई जाती है। जांच रिपोर्ट में सेम्पल असंतोषप्रद पाये जाने पर पानी के स्त्रोतों का सुपर क्लोरिनेशन करवाने हेतु लिखा जाता है।
- जिले में जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग बारां से समय–समय पर जिले में पाये गये रोगियों की सूचना भिजवाई जाती है।

- जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग बारां से समन्वय स्थापित कर लिकेज पाईप लाईनों एवं पानी के असंतोषप्रद पाये गये नमूनों की जानकारी उपलब्ध करवा कर जलशुद्धिकरण एवं शुद्ध पेयजल आपूर्ति करवाई जाती है।
- जिले के सभी चिकित्सा संस्थानोंको ब्लीचिंग पाउडर तथा क्लोरीन की टेबलेट की उपलब्धतासुनिश्चित करना।

कोविड–19 / स्वाईन फ्लू रोग की रोकथाम ।

- जिले में विभाग द्वारा कोविड–19 व स्वाईन फ्लू रोग की रोकथाम हेतु निरतंर निगरानी कर रहा है।
- जिला स्तर पर जिला चिकित्सालय में एक आइसोलेशन वार्ड स्थापित किया गया है , जिसमें 210 बैड की मय 30 वैन्टिलैटर सुविधा उपलब्ध है। जिले में **कोविड–19 / स्वाईन फ्लू रोग की जांच की सुविधा उपलब्ध है।**
- **ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर –** अब तक जिले को 776 आक्सीजन कन्सन्ट्रेटर प्राप्त हुए है। सभी सीएचसी पर 10–10 व पीएचसी पर 05–05 ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर दिये गये है व ग्राम पंचायत स्तर पर 02 ऑक्सीन कन्सन्ट्रेटर दिये गये है।
- जिले मे कुल 15 ऑक्सीजन प्लान्ट है। जिसमें जिला अस्पताल मे 5, सीएचसी पर 9 व प्राईवेट हॉस्पीटल पर 1 प्लान्ट है।
- जिला स्तर पर एक ऑक्सीजन कन्सेन्ट्रेटर बैंक स्थापित किये गये है। जिनको जरूरतमंद रोगियों हेतु 100 ऑक्सीजन कन्सेन्ट्रेटर रखे गये है।

अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम ।

- जिले में विभाग अन्य संक्रामक बीमारियों जैसे ईबोला, क्रिमीयन कॉगो हैमरजिंग फीवर आदि की रोकथाम एवं नियत्रंण के लिये राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशो के अनुसार गतिविधियां सम्पादित करना।

अन्य विभागों एवं गैर सरकारी संस्थाओ के साथ सामंजस्य।

- जिले में मौसमी बीमारियों के नियत्रंण हेतु अन्य सरकारी विभाग शिक्षा विभाग, नगरपरिषद, महिला एवं बाल विकास विभाग, पशुपालन विभाग, आयुर्वेद विभाग, सामाजिक अधिकारिता विभाग एवं गैर सरकारी संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर गतिविधियां सम्पादित करवाना।

निजी चिकित्सा संस्थाओ से समन्वय।

- जिले में मौसमी बीमारियों के नियत्रंण हेतु निजी चिकित्सा संस्थाओ (प्राईवेट हॉस्पिटल, नर्सिंगहोम, प्राईवेट लेब आदि) से मिंटिग कर मौसमी बीमरियों के रोगियों की सूचना सांझा करने के निर्देश दिये गये है। मौसमी बीमारियो की जानकारी प्राप्त कर गतिविधियां सम्पादित करवाना।

मॉनिटरिंग / निगरानी।

- जिले में विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रति सप्ताह मौसमी बीमारियों के डाटा का विशलेषण एवं निरीक्षण किया जाना। श्रीमान् जिला कलक्टर महोदय द्वारा प्रति सप्ताह मौसमी बीमारियों के संबंध मे मिटिंग की जाती है । प्रति माह को होने वाली जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में मौसमी बिमारियों के नियंत्रण एवं व्यवस्थाओं को सुचारूरूप से संचालन पर विचार विमर्श करना।
- ब्लॉक मिटिंग में अधीनस्थ चिकित्सा अधिकारियों / कार्मिकों को मौसमी बीमारियों की गतिविधियों एवं रिपोर्ट का अवलोकन कर दिशा निर्देश प्रदान करना।

<u>आई.ई.सी (जन जागृती)–</u>

- **<u>होर्डिंग्सः–</u>**मौसमी बीमारियों से संबंधित व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए जिले में भीड वाले स्थानों पर होर्डिंग्स लगवाये गये है जैसेः– (06) जिला मुख्यालय पर होर्डिंग्स लगवा दिये गये है। इस के अलावा 14 सीएचसी पर व 51 ग्रमीण/शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर हॉर्डिगस लगवाये गये है।
- **<u>पोस्टर पम्पलेटः–</u>**मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए पम्पलेट का वितरण कर मलेरिया/डेंगु/स्क्रब टायफस स्वाईन फ्लू (27 हजार) व गमशीट (8 हजार मलेरिया/डेंगू हेतु) द्वारा प्रचार–प्रसार किया गया है।
- **<u>स्वच्छता अभियानः–</u>**जिले के स्कूलों एवं कॉलेजो में स्वच्छता से सम्बन्धित एवं स्कूलों में मौसमी बीमारियों से सम्बन्धित जानकारी देना।
- **<u>माईकिंग :–</u>**जिले के चार नगर पालिका क्षैत्रो (बारां, मांगरोल, अन्ता, छबडा) मे नगर परिषद/नगरपालिका द्वारा संचालितकचरा संग्रहण वाहनो से दैनिक रूप से साफ–सफाई के साथ–साथ मौसमी बीमारियो जैसे मलेरिया, डैंगू, स्वाईन फ्लू का प्रचार– प्रसार किया जा रहा है। इन के साथ–साथ जिले के ग्रामिण क्षैत्रो में माईक के द्वारा प्रचार– प्रसार किया जा रहा है।

• <u>लू–तापघात Heatwave प्रबंधन हेतु तैयारियॉ व किये गये कार्य</u>

- जिले के सभी ब्लॉक स्तर/समस्त सामु0/प्राथ0/शहरी प्राथ0 स्वा0 केन्द्र पर कन्ट्रोल रूम एवं कुल 77 चिकित्सा दलो(आर.आर.टी. टीम) का गठन किया जा चुका है।

	RRT (Rapid Response Team) Created - on District Name:-Baran							
DRRT	Block RRT	SDH	CHC	PHC	UPHC	JANTA CLINIC	**Total**	**Total Sub Centre**
1	8	6	17	48	3	6	**77 RRTs**	**312**

- जिले में फायर एनओसी हेतु कुल चिकित्सा संस्थान **68**, इनमें से एप्लाई किये गये चिकित्सा संस्थान कि संख्या 65 है।
- जिले में गत वर्ष 2024 कुल 83 सस्पेक्टेड लू–तापघात रोगियों उपचारित किया गया था।
- सभी चिकित्सा संस्थानो मे आवश्यक जीवन रक्षक दवाईया एवं अन्य सामग्री उपलब्धता सुनिश्चित करा दी गई है।
- जिले के सभी चिकित्सा अधिकारी एवं कार्मिको को मुख्यालय पर रहने एवं बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोडने के निर्देश दिये गये है।
- जिले में लू–तापघात के रोगीयों हेतु जिला अस्पताल पर वार्ड मे **10** बैड, एसडीएच/सीएचसी पर **4** बैड व पीएचसी पर **2** बैड की अलग से व्यवस्था की गई है अतः जिले में कुल **274** बेड आरक्षित किये गये है । साथ ही वार्ड को ठण्डा रखने के लिये **299** एसी, **478** कुलर, **2296** पखें, **63** वाटर कूलर, **142** ईर्न्वटर की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जिले के सभी चिकित्सा संस्थानो मे आने वाले रोगियो एवं परिजनों हेतु पीने के ठण्डे पानी की व्यवस्था करने के साथ–साथ ओआरएस कार्नर भी स्थापित किये गये है।
- जिले के सभी चिकित्सा संस्थानो में आवश्यक दवाईयां, स्ट्रेचर, एक्सरे मशीन, 108, 104 और बेस एम्बुलेंस व आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित समस्त दवाईयां व अन्य उपकरण उपलब्ध है।

- जिले की समस्त नरेगा साईट्स पर मेडिकल टीम द्वारा समय–समय विजिट कर ORS सहित अन्य आवश्यक औषधियां आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवायी जा रही है व लू–तापघात को देखते हुए समय परिवर्तन करने के लिए अवगत करवाया गया है।
- पंचायती राज विभाग से समन्वय स्थापित कर महात्मा गांधी नरेगा के तहत संचालित स्थानो पर छांया, पानी की व्यवस्था करवाना।
- जिले के सभी चिकित्सा संस्थानो पर उपचार हेतु आवश्यक दवाईयां, ओ.आर.एस., ड्रिप सेट, जी. एन.एस / जी.डी.डब्ल्यू / रिंगरलेकटेट (आर.एल.) फ्लूड आदि उपलब्ध है।
- नगर पालिका, स्थानीय प्रशासन एवं स्वयंसेवी संस्थानो से सम्पर्क कर जगह–जगह पानी एवं छांया की व्यवस्था करने हेतु प्रेरित करवाया जा रहा है।
- शिक्षा विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग से समन्वय स्थापित स्कुलो / आगंनवाडी केन्द्रो का समय परिवर्तन करने के लिए अवगत करवाया गया है।
- सभी निजी चिकित्सालयो से समन्वय स्थापित कर लू–तापघात के रोगी व परिजनों के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है।
- **जिले के समस्त चिकित्सा संस्थानों पर जहां एम्बुलेंस उपलब्ध है वहां पर टेको मैथड हेतु तिरपाल व आईस पैक कि उपलब्धता व तुरन्त प्रभाव से हीट वेव के रोगीयों व अन्य बिमारी के रोगीयों को चिकित्सा संस्थान पर लाना सुनिश्चित करें।**
- **जिले के समस्त चिकित्सा संस्थानों पर हीट वेव व मौसमी बिमारी के नियंत्रण के लिए आईईसी कॉर्नर व ओआरएस कॉर्नर बनाकर उसके फोटो हैल्थ ग्रुप में भेजना सुनिश्चित करें।**
- जिले के समस्त चिकित्सा संस्थानों पर 2 पानी के मटके भरे हुए छांया में सामने कि ओंर रखना व खाली होने पर तुरन्त भरवाना सुनिश्चित करें साथ ही उनके फोटो हैल्थ ग्रुप पर भिजवाना सुनिश्चित करें।

<u>आई.ई.सी–</u>

- लू–तापघात से बचाव हेतु समय–समय पर व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए जिलें में भीड वाले स्थानों पर होर्डिंग्स लगावाना ,स्टीकर, पम्पलेटस का वितरण, समाचार पत्रों मे विज्ञापन, माईकिंग एवं स्वस्छता अभियान आदि के माध्यम से किया जा रहा है।

जिला निगरानी इकाई (IDSP) बांरा (राज.)

लू–तापघात (ताप लहर) (Climate Change) के बेहतर प्रबंधन हेतु कार्य योजना–वर्ष–2025

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जिला–बांरा (राज.)

संभावित परिदृश्य :– लू ताप घात से आम जनता भली प्रकार से परिचित हैं एवं समय–समय पर सरकार एवं अन्य स्वयं सेवी संस्थायें विभिन्न माध्यमो से स्वास्थ्य शिक्षा एवं लू तापघात से बचने के लिये जन जागृती पैदा करती रही है। लु तापघात, शरीर मे लवण व पानी की आवश्यकता व अनुपात के विकृति के कारण होती हैं। मस्तिष्क का एक केन्द्र जो मानव के तापमान को समान्य बनाये रखता हैं । जो काम करना छोड़ देता है । लाल रक्त कोशिकायें रक्त वाहिनीयो में टूट जाती है व कोशिकाओं में जो पोटेशियम लवण होता है व रक्त संचार में आ जाता हैं। इसमें हृदय गति व शरीर के अन्य अवयव व अंग प्रभावित हो कर लू तापघात के रोगी को मृत्यु के मुहॅं में धकेल देते है।

इस गर्मी के प्रकोप मे लू से कोई भी आक्रान्ता/ग्रसित हो सकता है। परन्तु बच्चे, वृद्ध, गर्भवती महिलांऐ धुप में व दोपहर मे कार्यरत श्रमिक, यात्री खिलाडी व ठंडी जलवायु मे रहने वाले व्यक्तियो के लू लगने की संभावनांये अधिक रहती है।

लू तापघात के लक्षण :–

1. सिर का भारीपन व सिरदर्द।
2. अधिक प्यास लगना व शरीर मे भारीपन के साथ थकावट।
3. जी मिचलाना, सिर चकराना व शरीर का तापमान अत्यधिक बढना (105 F. या अधिक) हो जाना , पसीना आना बन्द होना, मुंह का लाल होना एवं त्वचा का सूखा होना।
4. पानी की कमी होना, बैहोशी जैसी स्थिति का होना/ बेहोश होना।
5. प्राथमिक उपचार/समुचित उपचार के अभाव में मृत्यु भी संभव है।

लू तापघात से बचाव के उपाय :–

1. लू तापघात से प्रायः कुपोषित बच्चे, वृद्ध गर्भवती महिलाऐं, श्रमिक आदि शीध्र प्रभावित हो सकते है। इन्हे प्रातः 11:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक तेज गर्मी से बचाने हेतु छायादार ठंडे स्थान पर रखने का प्रयास करें।
2. तेज धुप मे निकलना पड़े तो ताजा भोजन करके उचित मात्रा मे ठंडे जल का सेवन कर बाहर निकले।
3. थोडे–थोड़े अन्तराल मे ठंडा पानी, शीतल पेय जैसे–छाछ, आम का पना, ताजा फलो का रस आदि का सेवन करे।
4. तेज धुप मे बाहर निकला पड़े तो छाते का उपयोग करे तथा शरीर के अंगो/सिर आदि को हल्के रंग के सुती कपडे से ढक कर रखें।
5. अकाल राहत कार्य/निर्माण कार्य स्थलो पर श्रमिको हेतु छाया एवं पानी की उचित व्यवस्था रखी जावें। ताकी श्रमिक थोड़ी–थोड़ी देर मे छायादार स्थानो पर विश्राम कर सकें।

लू तापघात का उपचार :–

1. लु तापघात से प्रभावित रोगी को तुरन्त हवा व छायादार ठंडे स्थान पर लिटा दें।
2. रोगी की त्वचा को गीले कपड़े से स्पंज करते रहें तथा रोगी के कपड़ो को ढीला कर दें। रोगी के आस–पास
   भीड़ ईकठ्ठा ना होने दें।
3. रोगी होश मे हो तो उसे ठंडे पेय पदार्थ देवें।
4. रोगी को तत्काल नजदीक के चिकित्सालय मे उपचार हेतु लेकर जावें।

बांरा जिले में गर्मियों में तापमान अधिक रहने की सम्भावना बनी हुई है। जिससे लोगो की जानें चली जाती है। फसलों को क्षति पहुंचती है, पानी की कमी हो जाती है। बीमारियां फैलने लगती है और तमाम स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो जाती है।

मौसमी बिमारियों/लूतापघात के रोकथाम हेतु की गई गतिविधियों की कुछ फोटोग्राफ्स

	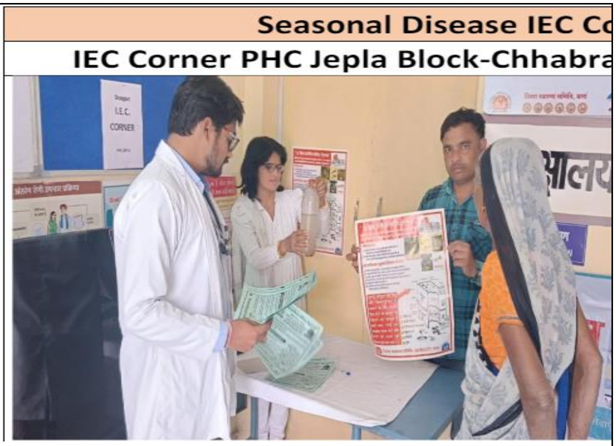
चिकित्सा विभाग द्वारा जन जागृति	चिकित्सा विभाग द्वारा ओपीडी के दौरान लार्वा प्रर्दशन एवं आईईसी सामग्री वितरित की गई।
आशाओ के माध्यम से घर–घर सर्वे के दौरान लार्वा ढूंढकर कूलर परिण्डे, टंकिया खाली करवाकर लार्वा नष्ट करवाया गया।	आशाओं/एएनएम के माध्यम से घर–घर सर्वे के दौरान ऐन्टीलार्वल गतिविधियों के तहत नालियों में एमएलओ डलवाया गया।
आशाओं/एएनएम के माध्यम से घर–घर सर्वे के दौरान बुखार के रोगियों की मलेरिया जांच हेतु स्लाईड बनाकर उन्हे उपचार प्रदान किया गया।	घर–घर सर्वे के दौरान लार्वा ढूंढकर कूलर परिण्डे, टंकिया खाली करवाकर लार्वा नष्ट करवाया गया।

जिले के महत्वपूर्ण अधिकारियों के दूरभाष नं. की सूची

जिला कलक्टर, बारां	श्री रोहिताश्व सिंह तोमर	9810524888	संभागीय आयुक्त कोटा	0744–2500853	2500675
ADM Baran	श्री दिवांशु शर्मा	9521749287	ADM Shahbaad	श्री जब्बर सिंह	9829719908
ACEO जिला परिषद	श्री हरिशचंद मीणा	7597063920	CEO जिला परिषद	श्री रामावतार गुर्जर	8764880177
SDM'S					
SDM बारां	सुश्री पूजा मीणा	8562032235	SDM अन्ता	सुश्री संजना जोशी	9950634535
SDM मांगरोल	श्री शंभु दयाल मित्तल TDR चार्ज	9414557920	SDM किशनगंज	श्री मनमोहन शर्मा	9079723429
SDM शाहबाद	श्री मुकेशचन्द मीणा	8118892060	SDM अटरू	श्री मंजूर अली दीवान TDR चार्ज	9250431654
SDM छबडा	श्री राम सिंह गुर्जर	9870147807 93584 04256	SDM छीपाबडौद	श्री राजवीर यादव TDR चार्ज	9887411219
TDR'S					
TDR बारां	श्री मनोज खत्री	9950102074	TDR अन्ता	श्री सुरेन्द्र सिंह गूर्जर	9636775600
TDR मांगरोल	श्री शंभु दयाल मित्तल	9414557920	TDR किशनगंज	श्री अभयराज सिंह	9772528502
TDR शाहबाद	श्री राहुल कलोरिया	8949919971	TDR अटरू	श्री मंजूर अली दीवान	9250431654
TDR छबडा	श्री अभिषेक पारीक NTDR	8118892060	TDR छीपाबडौद	श्री राजवीर यादव	9887411219
SR बारां	श्री राकेश जैन	9166468626	TDR LR	श्री शिवनारायण रावत NTDR	9529321463
NTDR परोकार	श्री रामचंद्र गुर्जर	7976022767	NTDR चुनाव	श्री रामकिशन मीणा	9413667988
DLO'S					
SE PWD बारां	श्री डी.आर. क्षत्रिय	9414185882	SE जल संसाधन	श्री हेमन्त शर्मा	9413086756
SE PHED बारां	श्री आलोक गुप्ता	9414048340	SE JVVNL बारां	श्री एन.एम बिलोटिया	9414046563 7568590820
SE Water Shead	श्री मनोज पूर्वगोला	9460409498	SE परवन प्रोजेक्ट	श्री अजीत कुमार चार्ज XEn III	9602422236
XEN PWD बारां	श्री सी.एम. बैरवा	9414966568	XEN PWD छबडा	श्री नरेन्द्र सिंह चौधरी	9414330683
XEN PWD मांगरोल /अन्ता	श्री अशोक सनाढ्य	9414175767	XEN PWD शाहबाद	चार्ज श्री एच.पी. मीणा	9001751359

AEN PWD बारां	सुश्री दिव्या गोचर	8302322392	XEN PWD NH झाला.	श्री सी.एम. बैरवा	9414966568
XEN (I) जल संसा. अंता, मांगरोल, बारां, अटरू	श्री बृजेश बैरवा	8952908679	XEN PWD Light	श्री रचित शर्मा	9414078258
			XEN PHED छबडा	श्री आर.डी. मीणा	9413888207
XEN (II) जल संसा. छबडा, छीपाबड़ौद	श्री महेंद्र मीणा	8058750001	XEN-I परवन प्रोजे0 XEN-II परवन प्रोजे0 XEN-III परवन प्रो	श्री चन्द्रशेखर मीणा श्री अनिल यादव श्री अजित कु0 जैन	9413733567 7742195400 7737216000
XEN (III) जल संसाधन किशनगंज, शाहबाद	श्री पीसी मीणा	9414069625			
XEN PHED बारां	श्री प्रमोद झालानी	9414444564	XEN PHED अन्ता	श्री मनीष भट्ट (प्रोजेक्ट)	9413807257
XEN JVVNL बारां	श्री नवरतन बैरवा	9413390981	XEN JVVNL ग्रामीण	श्री जे.पी. मीणा	9414022246
XEN JVVNL अटरू	श्री शेर सिंह मीणा	9413391149	AEN PHED बारों	श्री विनोद कु0 मीणा	7737905625
XEN वाटरशेड	श्री शिवलाल वर्मा	9460236039	XEN परवन प्रोजेक्ट	श्री सुरेशचन्द मीणा झाला.	6376302275
AEN JVVNL ग्रामीण	श्री अजय सिंह	9413390990	ग्रामीण विकास अभिकरण वाटरशेड	श्री शिवलाल वर्मा XEN	9460236039
AEN PWD ग्रामीण	श्री जेपी गुप्ता	9413739078	AEN JVVNL शहर	श्री शिवशंकर नागर	9413390989